EQUIFAX®

sidbi

माइक्रोफ़ाइनेंस पल्स

संस्करण - VIII– अप्रैल 2021

EQUIFAX® Powering the World with knowledge™

विश्लेषक संपर्क

इक्विफ़ैक्स

किरण समुद्राला
वाइस प्रेसिडेंट – एनालिटिक्स
kiran.samudrala@equifax.com

श्रुति जोशी
एवीपी – एनालिटिक्स
shruti.joshi@equifax.com

ख्याति खजूरिया
एएम – एनालिटिक्स
khayati.khajuria@equifax.com

वंदना पांचाल
सीनियर एक्स एनालिटिक्स
vandana.panchal@equifax.com

सिडबी

कैलाश चंद्र भानू,
मुख्य महाप्रबंधक -
ईआरडीएवी
erdav@sidbi.in

रंगदास प्रभावती
उपमहाप्रबंधक -
ईआरडीएवी
erdav@sidbi.in

रमेश कुमार
सहायक प्रबंधक
ईआरडीएवी
rameshk@sidbi.in

"माइक्रोफाइनेंस पल्स के पूर्व संस्करण 12 भारतीय भाषाओं अर्थात हिंदी, अँग्रेजी, मणिपुरी, तेलगु, असमिया, तमिल, गुजराती, बंगाली, पंजाबी, उड़िया, मराठी, एवं बोड़ो में उपलब्धे है। आप इन रिपोर्टों को **https://www.sidbi.in/en/microfinance-pulse-all-edition**." में देख सकते हैं।
Microfinance Pulse earlier edition is available in 12 Indian languages viz Hindi, English, Manipuri, Telugu, Assamese, Tamil, Gujarati, Bengali, Punjabi, Odia, Marathi & Bodo. You may access report in these languages at **https://www.sidbi.in/en/microfinance-pulse-all-edition**."

विषयसूची

- कार्यपालक सारांश 04
- संक्षिप्तक्षर एवं शब्दावली 06
- माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन 07
- संवितरण के रुझान 10
- उद्योग जोखिम रूपरेखा 14
- भौगोलिक एक्सपोजर 17
- व्यापक राज्य रूपरेखा : महाराष्ट्र 20
- आकांक्षी जिले 25
- असम पर्यावलोकन 27

EQUIFAX®

sidbi

कार्यपालक सारांश

कार्यपालक सारांश

माइक्रोफाइनेंस पल्स का 8 वां संस्करण 31 दिसंबर, 2020 तक माइक्रोफाइनेंस उद्योग का पर्यवलोकन प्रस्तुत कर रहा है। माइक्रोफाइनेंस पल्स के माइक्रोफाइनेंस उधारदाता भाग में उद्योग के रुझानों को शामिल किया गया है और हाल के दिनों में माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में प्रवृत्तियों का आधार होने के अलावा भविष्य की संभावनाओं की ओर संकेत देता है ।

माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने वर्ष 2020 के कैलेंडर वर्ष के अंत तक 6 करोड़ सक्रिय उधारकर्ताओं का आधार बना लिया है। 31 दिसंबर तक माइक्रोफाइनेंस उद्योग का बुक साइज 228,818 करोड़ रुपये रहा है। दिसंबर 2019 से दिसंबर 2020 तक बकाया संविभाग में 16% की वृद्धि हुई। बैंक कुल बकाया संविभाग का 42% और 39% सक्रिय ऋणों का योगदान देकर अग्रणी स्थान पर हैं।
अक्तूबर-दिसंबर 20 में ऋण संवितरण में तेजी से वृद्धि हुई, बैंकों ने कोविड पूर्व स्तरों से अधिक ऋण संवितरित किए। राशि आधारित संवितरण में 84% की वृद्धि हुई और संवितरित ऋणों की संख्या में पिछली तिमाही की तुलना में अक्तूबर-दिसंबर 20 में 97% की वृद्धि हुई। 1-10000 टिकट आकार के ऋणों में अक्तूबर-दिसंबर 19 से अक्तूबर-दिसंबर 20 तक 240% की उच्चतम वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज हुई है। औसत टिकट आकार में अक्तूबर-दिसंबर 19 से अक्तूबर-दिसंबर 20 तक 5% की वर्षानुवर्ष नकारात्मक वृद्धि देखी गई। उद्योग की 1 + अपचारिताएँ दिसंबर 2020 में 20.68% के साथ सर्वाधिक रही। बैंकों को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों ने 60 हजार से अधिक के टिकट आकार समूह में 90 + अपचारिताओं को बहुत अच्छी तरह से बनाए रखा है।

अखिल भारतीय संविभाग में शीर्ष 5 राज्यों का 55% योगदान रहा है। पश्चिम बंगाल बकाया संविभाग के क्षेत्र में सबसे अधिक 15% का योगदान दे रहा है। शीर्ष 5 राज्यों में दिसंबर 2020 तक तमिलनाडु में सबसे कम 90+ अपचारिता 2.36% रही है। शीर्ष 5 राज्यों में दिसंबर 2020 तक पश्चिम बंगाल का 90+ अपचारिता सर्वाधिक 8.97% रहा है। दिसंबर 2020 तक आकांक्षी जिलों में बकाया कुल संविभाग 28,256 करोड़ रुपये था, जिसमें बैंकों की 42% हिस्सेदारी रही, इसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई का 36% हिस्सा था। एनबीएफसी-एमएफआई में आकांक्षी जिलों में सबसे अधिक 90 + अपचारिता रही है।

31 दिसंबर 2020 तक महाराष्ट्र सक्रिय ऋण और पोर्टफोलियो बकाया के मामले में अखिल भारतीय एमएफआई संविभाग में 7% का योगदान देता है। महाराष्ट्र में दिसंबर 2019 से दिसंबर 2020 तक 17 फीसदी की वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर्ज की गई है। एनबीएफसी का एटीएस अन्य ऋणदाताओं की तुलना में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा है। महाराष्ट्र का 90+ अपचारिता अखिल भारतीय अपचारिता की तुलना में अधिक है। वर्षानुवर्ष आधार पर, महाराष्ट्र में संवितरण की संख्या में 11.5% की गिरावट आई, जबकि अखिल भारतीय स्तर पर 3% वर्षानुवर्ष संवृद्धि हुई है।

असम में दिसंबर 2019 से दिसंबर 2020 तक बकाया संविभाग के मामले में 5% की नकारात्मक वृद्धि देखी गई। असम में दिसंबर 2019 की तुलना में दिसंबर 2020 में सभी क्षेत्रों में 90+ अपचारिता में वृद्धि हुई है। अक्तूबर-दिसंबर 19 से अक्तूबर-दिसंबर 20 तक असम में ऋण स्रोतीकरण की दर 79% से बढ़ गई है।

संक्षिप्तक्षर एवं शब्दावली

- एटीएस (औसत ऋण आकार) = संवितरित राशि / ऋणों की संख्या

- डीपीडी = देय तिथि पश्चात बीते हुए दिन
- मौजूदा बकाया संविभाग या उधारकर्ता या सक्रिय ऋण = 0 से 179 डी पी डी + नया खाता + चालू खाता
- • एमएफआई = माइक्रोफ़ाइनेंस संस्थान
- • पीओएस = बकाया संविभाग
- • यूटी = संघ शासित क्षेत्र
- आकांक्षी जिले (एडी) - नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने के लिए सुधार के लिए पहचान किए गए जिले (वर्तमान में संख्या 117 है) जो स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और मूलभूत बुनियादी ढांचे जैसे समग्र संकेतांकों पर आधारित है।

1-179 = 1 to 179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
1-29 = 1 to 29 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
30-59 = 30 to 59 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
60-89 = 60 to 89 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
90-179 = 90 to 179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
30+ अपचारिता = 30-179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस
90+ अपचारिता = 90-179 डीपीडी / मौजूदा पीओएस

- OND'19 = अक्तूबर 2019 से दिसंबर 2019 तक
- JFM'20 = जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक
- AMJ'20 =अप्रैल 2020 से जून 2020 तक
- JAS'20 =जुलाई 2020 से सितंबर 2020 तक
- OND'20 = अक्तूबर 2020 से दिसंबर 2020 तक

माइक्रो फ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग का आशुचित्र – यथा 31 दिसंबर 2020

Graph-01

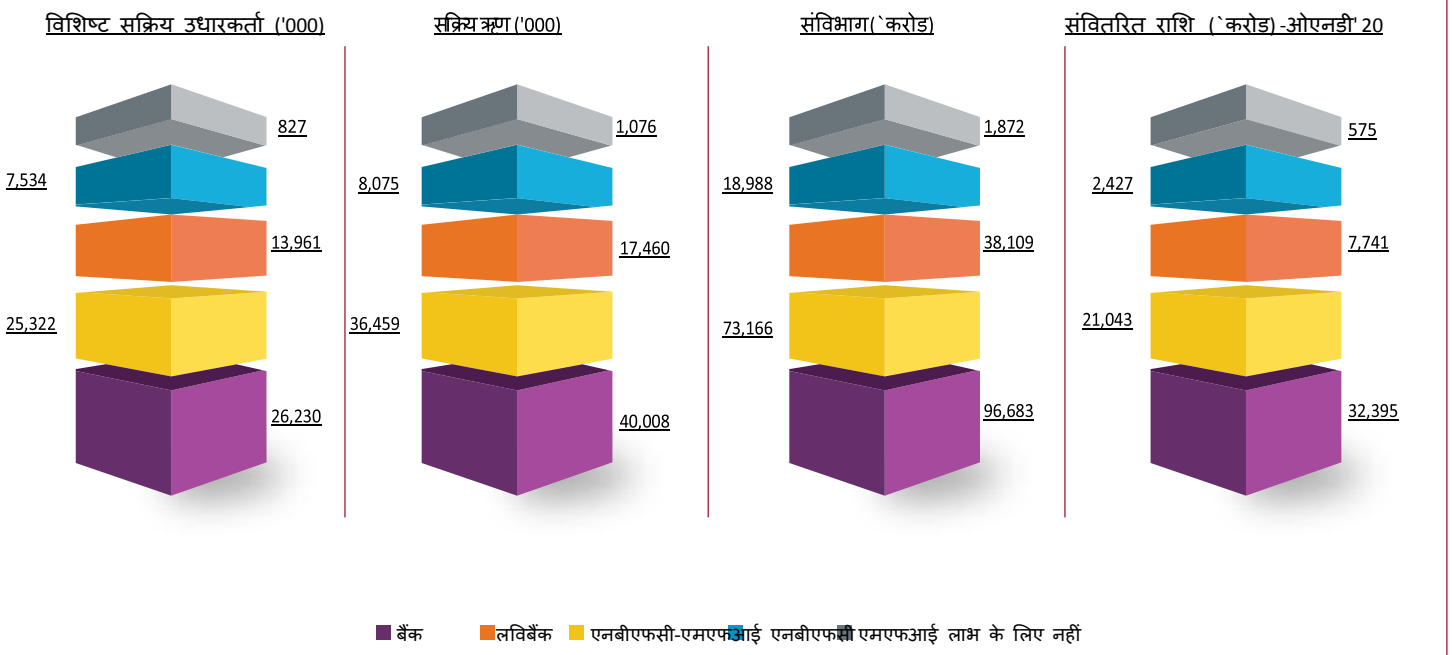

आशुचित्र यथा 30 दिसंबर 2020	बैंक	एसएफबी	एनबीएफसी-एमएफआई	एनबीएफसी	लाभ उद्देश्य विहीन एमएफआई	कुल उद्योग
अनोखे सक्रिय उधारकर्ता ('000)	26,230	13,961	25,322	7,534	827	73,874
सक्रिय ऋण ('000)	40,008	17,460	36,459	8,075	1,076	103,078
संविभाग (`करोड़)	96,683	38,109	73,166	18,988	1,872	228,818
संवितरित राशि (`करोड़) – अ न दि ' 20	32,395	7,741	21,043	2,427	575	64,181
औसत टिकट आकार (`) - अ न दि' 20	31,955	37,481	33,177	40,906	32,519	33,227
30 + अपचारिता (पीओएस)	14.63%	10.40%	13.44%	11.30%	3.53%	13.18%
90 + अपचारिता (पीओएस)	4.84%	4.44%	6.19%	2.27%	1.37%	4.96%

सारिणी-01

- 31 दिसंबर तक माइक्रोफाइनेंस उद्योग का बुक साइज 228,818 करोड़ रुपये है जहां बैंक कुल बकाया संविभाग के प्रति 42% और सक्रिय ऋणों के प्रति 39% योगदान देकर अग्रणी हैं
- एनबीएफसी-एमएफआई संवितरित राशि के प्रति 33% योगदान देकर अक्तूबर-दिसंबर 20 तिमाही में दूसरा सबसे अधिक योगदान दे रहे हैं
- एनबीएफसी का औसत टिकट साइज उद्योग औसत टिकट साइज से 23% अधिक है
- माइक्रोफाइनेंस उद्योग की तुलना में एनबीएफसी और लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआइ का 90+ अपचारिता स्तर को अच्छी तरह से बनाए रखा है

नोट: एमएफआई घटक में ~ 6 करोड़ विशिष्ट सक्रिय उधारकर्ता हैं। ग्राहकों की विशिष्ट संख्या में अंतर ग्राहकों के एसएफबी, बैंकों, एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी और लाभ उद्देश्य विहीन एमएफआई के साथ कई संबंध रखने के कारण है।.

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन

सारणी-02

ऋणदाता प्रकार के अनुसार बाजार हिस्सेदारी के रुझान

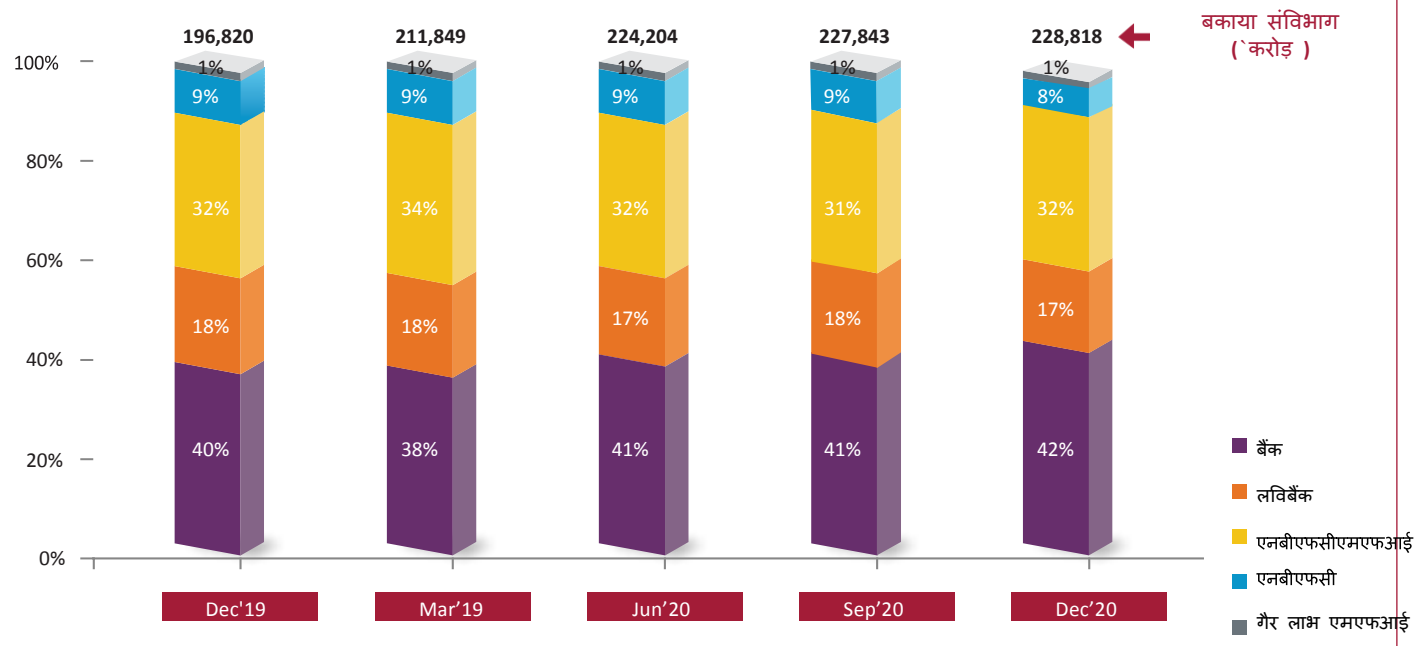

बकाया संविभाग (`करोड़)

विवरण	दिसंबर19	मार्च 20	जून 20	सितंबर 20	दिसंबर 20
बैंक	78,522	81,001	91,920	93,409	96,683
एसएफबी	34,964	38,986	39,225	42,682	38,109
एनबीएफसी-एमएफआई	62,982	72,110	71,342	70,142	73,166
एनबीएफसी	18,753	18,073	19,875	19,838	18,988
लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई	1,599	1,679	1,842	1,772	1,872
कुल उद्योग	196,820	211,849	224,204	227,843	228,818
तिमाही दर तिमाही संवृद्धि %	-	8%	6%	2%	0%

तालिका-02

- दिसंबर 2019 से दिसंबर 2020 तक माइक्रोफाइनेंस उद्योग में 16% की संवृद्धि हुई
- बैंकों ने दिसंबर 2019 से दिसंबर 2020 तक सभी उधारदाताओं में 23% की उच्चतम वर्षानुवर्ष संवृद्धि देखी

संवितरण के रुझान

संस्थानवार संवितरण के रुझान

सारणी -03

ऋणदाता प्रकार के अनुसार बाजार हिस्सेदारी के रुझान

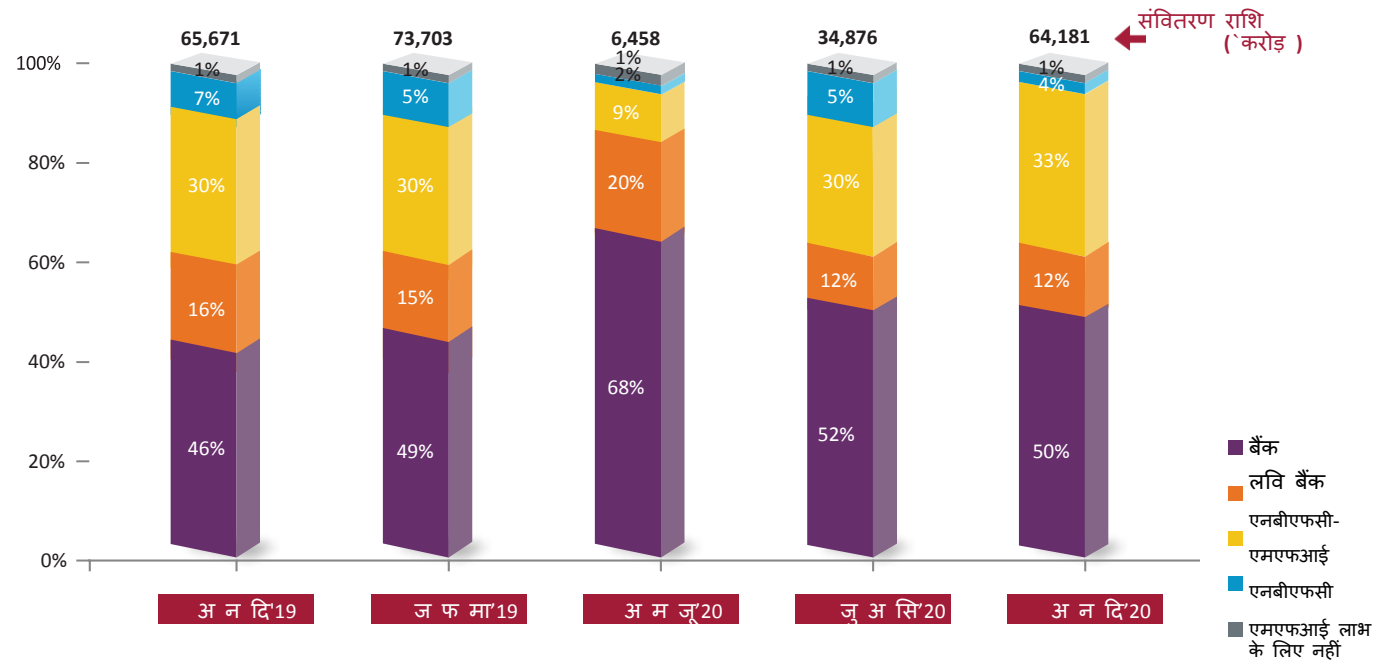

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

ऋणदाता प्रकार	ओएनडी 19	जेएफएम 20	एएमजे 20	जेएएस 20	ओएनडी 20
बैंक	74	83	14	47	101
एसएफबी	30	31	5	12	21
एनबीएफसी - एमएफआई	69	71	2	32	63
एनबीएफसी	12	11	1	5	6
गैर लाभ एमएफआई	3	2	1	2	2
कुल उद्योग	188	198	23	98	193

सारिणी -03

- संवितरित ऋणों की संख्या अक्तूबर-दिसंबर 20 में तेजी से बढ़ी है एवं बैंक कोविड पूर्व स्तर से अधिक ऋण संवितरण कर रहे हैं। एनबीएफसी-एमएफआई कोविड पूर्व स्तरों पर लौट रहा है। एनबीएफसी और एसएफबी, हालांकि जुलाई-सितंबर 20 की तुलना में उच्च ऋण संवितरित किए हैं, किन्तु वे अभी तक कोविड पूर्व स्तर को प्राप्त नहीं किए हैं .
- राशि द्वारा संवितरण में 84% की वृद्धि हुई और संवितरित ऋणों की संख्या में पिछली तिमाही की तुलना में अक्तूबर-दिसंबर 20 में 97% की वृद्धि हुई
- बैंक की बाजार हिस्सेदारी अक्तूबर-दिसंबर 20 में ऋण संवितरण और संवितरित राशि के 50% से अधिक है

उद्योग टिकिट आकार रुझान

Graph-04

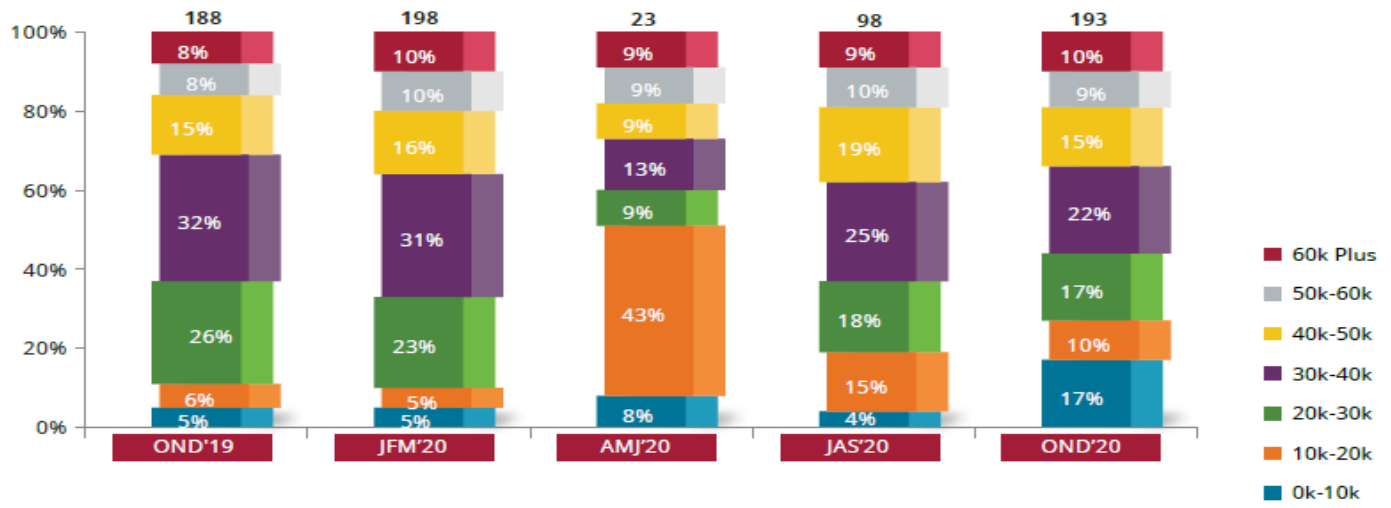

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

टिकिट आकार	ओएनडी 19	जेएफएम 20	एएमजे 20	जेएएस 20	ओएनडी 20	वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर %
0K-10K	10	9	2	4	34	240%
10K-20K	12	11	10	15	20	67%
20K-30K	48	46	2	18	32	-33%
30K-40K	60	62	3	24	42	-30%
40K-50K	29	32	2	18	28	-3%
50K-60K	14	19	2	10	18	29%
60K से अधिक	15	19	2	9	19	27%
कुल	188	198	23	98	193	3%
तिमाही दर तिमाही ऋण संवितरण संवृद्धि दर %	-	5%	-88%	326%	97%	-
अखिल भारतीय एटीएस (`)	34,904	36,842	28,640	35,620	33,227	-5%
तिमाही दर तिमाही एटीएस संवृद्धि दर %	-	6%	-22%	24%	-7%	-

सारिणी -04

- 1000-10000 टिकट आकार के ऋणों ने अक्तूबर-दिसंबर 19 से अक्तूबर-दिसंबर 20 तक 240% की उच्चतम वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर्ज की है
- 30 हजार -40 हजार टिकट आकार श्रेणी के अंतर्गत सबसे अधिक ऋण जारी किए गए हैं
- अक्तूबर-दिसंबर 19 में 34,904 से अक्तूबर - दिसंबर 20 के 33,227 के रूप में वर्षानुवर्ष एटीएस में 5% की गिरावट आई है

औसत टिकिट आकार रुझान

सारणी -05

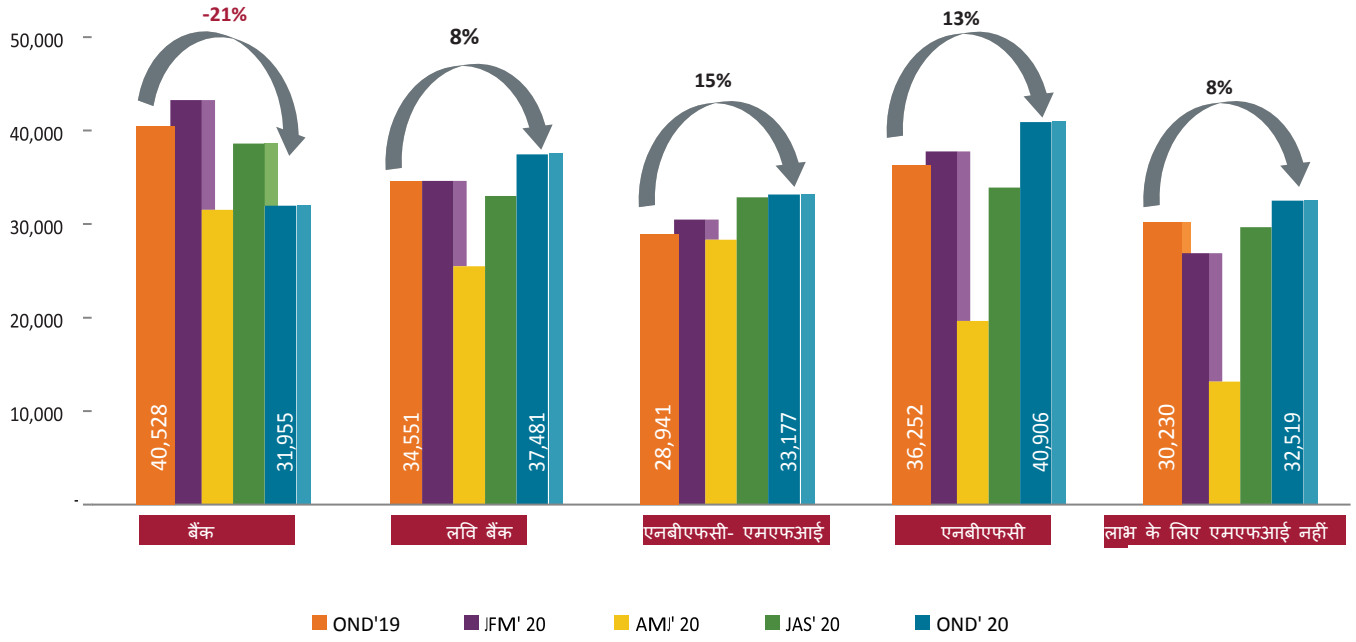

औसत टिकिट आकार (`)

ऋणदाता प्रकार	ओएनडी ' 19	जेएफएम 20	एएमजे ' 20	जेएएस 20	ओएनडी 20	वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर %
बैंक	40,528	43,281	31,493	38,588	31,955	-21%
एसएफबी	34,551	34,615	25,450	33,032	37,481	8%
एबीएफसी-एमएफआई	28,941	30,485	28,339	32,855	33,177	15%
एनबीएफसी	36,252	37,776	19,627	33,940	40,906	13%
लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफ़आई	30,230	26,883	13,149	29,670	32,519	8%
समस्त भारत	34,904	36,842	28,640	35,620	33,227	-5%

सारिणी -05

- एनबीसीएफ के अक्तूबर-दिसंबर '20 के एटीएस सभी उधारदाताओं में सबसे अधिक है
- बैंकों ने अक्तूबर-दिसंबर 19 से अक्तूबर-दिसंबर 20 तक 21% की नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है
- एनबीएफसी-एमएफआई में अक्तूबर-नवम्बर 19 से अक्तूबर-नवम्बर 20 तक 15% की सबसे अधिक वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज़ की गई है

EQUIFAX®

sidbi

उद्योग जोखिम रूपरेखा

अपचारिता के रुझान

सारणी

देयतिथि के पश्चात दिनों के आधार पर अपचारिता

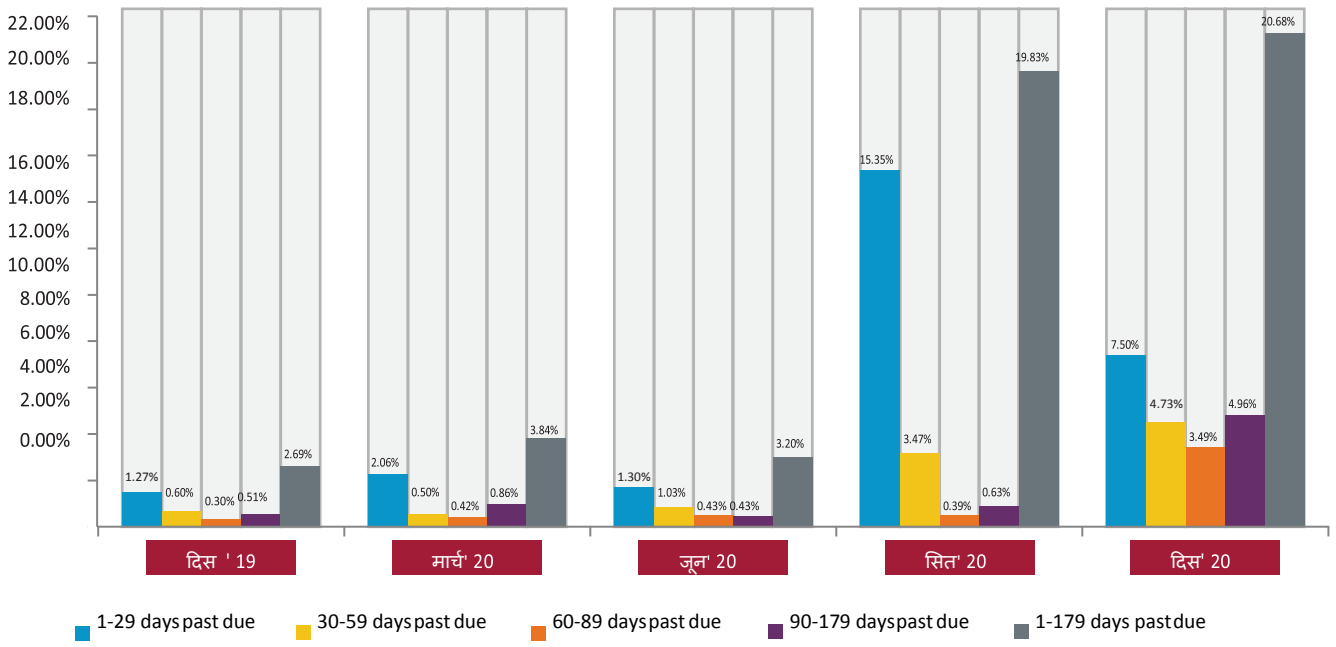

देयतिथि के पश्चात दिनों के आधार पर अपचारिता

रिपोर्टिंग तिमाही	देयतिथि के पश्चात 1-29 दिन	देयतिथि के पश्चात 30-59 दिन	देयतिथि के पश्चात 60-89 दिन	देयतिथि के पश्चात 90-179 दिन	देयतिथि के पश्चात 1-179 दिन
Dec' 19	1.27%	0.60%	0.30%	0.51%	2.69%
Mar' 20	2.06%	0.50%	0.42%	0.86%	3.84%
Jun' 20	1.30%	1.03%	0.43%	0.43%	3.20%
Sep' 20	15.35%	3.47%	0.39%	0.63%	19.83%
Dec' 20	7.50%	4.73%	3.49%	4.96%	20.68%

सारिणी-06

- उद्योग 1 + अपचारिता दिसंबर 2020 में 20.68% पर शीर्ष पर रही
- देयतिथि के पश्चात 1-29 दिनों के समूह में अपचरिता दिसंबर 2020 में सबसे अधिक रही। यह सितंबर 2020 की तुलना में घटकर आधी हो गई है, जो अपचारी खातों को उच्च डीपीडी समूहों में स्थानांतरित होने के कारण हो सकता है।

नोट: पीओएस के आधार पर अपचारिता की गणना।

90+ अपचार संबंधी मामले - यथा 31 दिसंबर, 2020

Graph-07

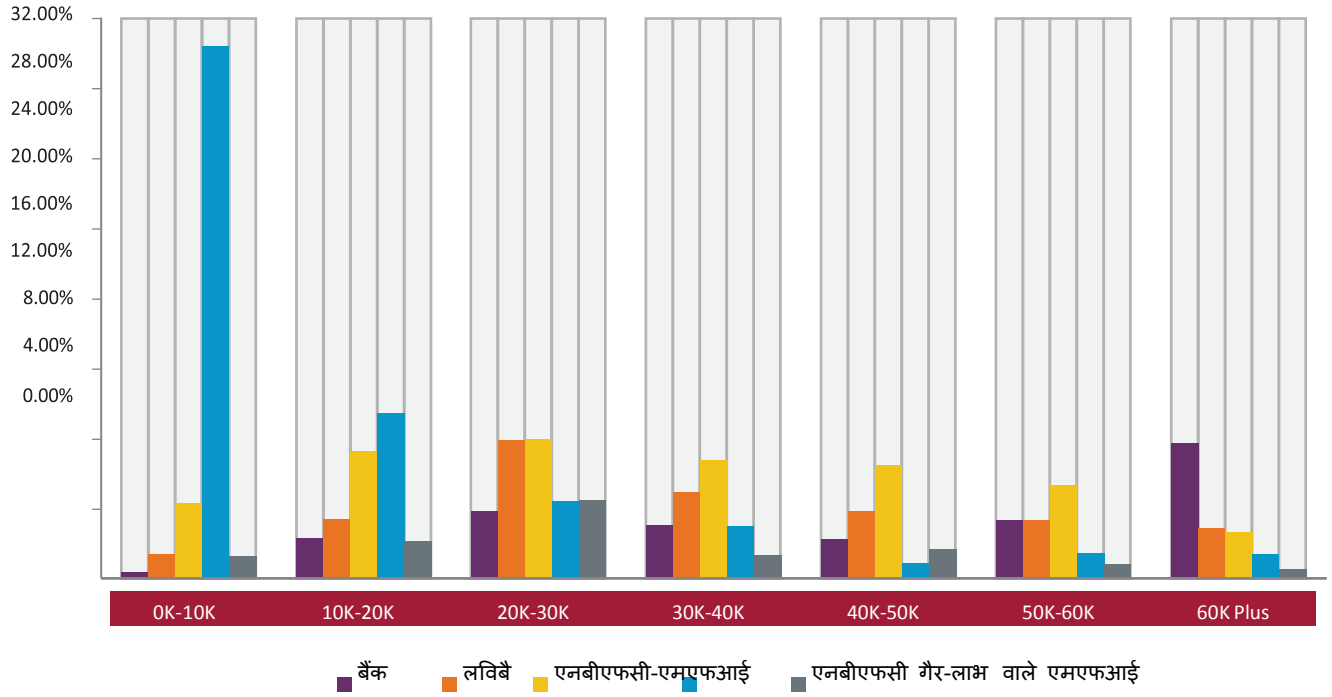

ऋणदाता के स्वरूप	0K-10K	10K-20K	20K-30K	30K-40K	40K-50K	50K-60K	60K Plus
बैंक	0.36%	2.32%	3.87%	3.03%	2.27%	3.34%	7.74%
लविबै	1.39%	3.40%	7.91%	4.90%	3.86%	3.30%	2.86%
एनबीएफसी-एमएफआई	4.29%	7.26%	7.93%	6.72%	6.45%	5.34%	2.61%
एनबीएफसी	30.37%	9.47%	4.41%	3.00%	0.85%	1.46%	1.40%
गैर-लाभ वाले एमएफआई	1.28%	2.12%	4.48%	1.32%	1.71%	0.83%	0.52%

तालिका -07

- उधारदाताओं और ऋण के आकार के आधार पर किए गए अपचार संबंधी विश्लेषण से यह पता चलता है कि जहाँ एनबीएफसी-एमएफआई, जिनके पास सबसे अधिक समग्र 90 + अपचार के मामले दर्ज हैं, 90 + अपचार संबंधी मामले सभी आकार वाले ऋणों में व्याप्त हैं, वहीं एनबीएफसी, जिनके पास सबसे कम समग्र 90 + अपचार के मामले मौजूद हैं, 90 + अपचार संबंधी मामले 10 हजार और 10 से 20 हजार जैसी छोटी-छोटी ऋण-राशियों तक ही सीमित हैं।
- बैंकों को छोड़कर, अन्य सभी उधारदाताओं ने 60 हजार से अधिक के ऋण-खंडों में उपयुक्त ढंग से 90 + अपचार संबंधी स्थिति को संभाल रखा है।

नोट: पीओएस के आधार पर अपचारिता की गणना।

जोखिम का भौगोलिक विस्तार

राज्य/ संघ क्षेत्र-वार बकाया संविभाग – यथा 31 दिसंबर, 2020

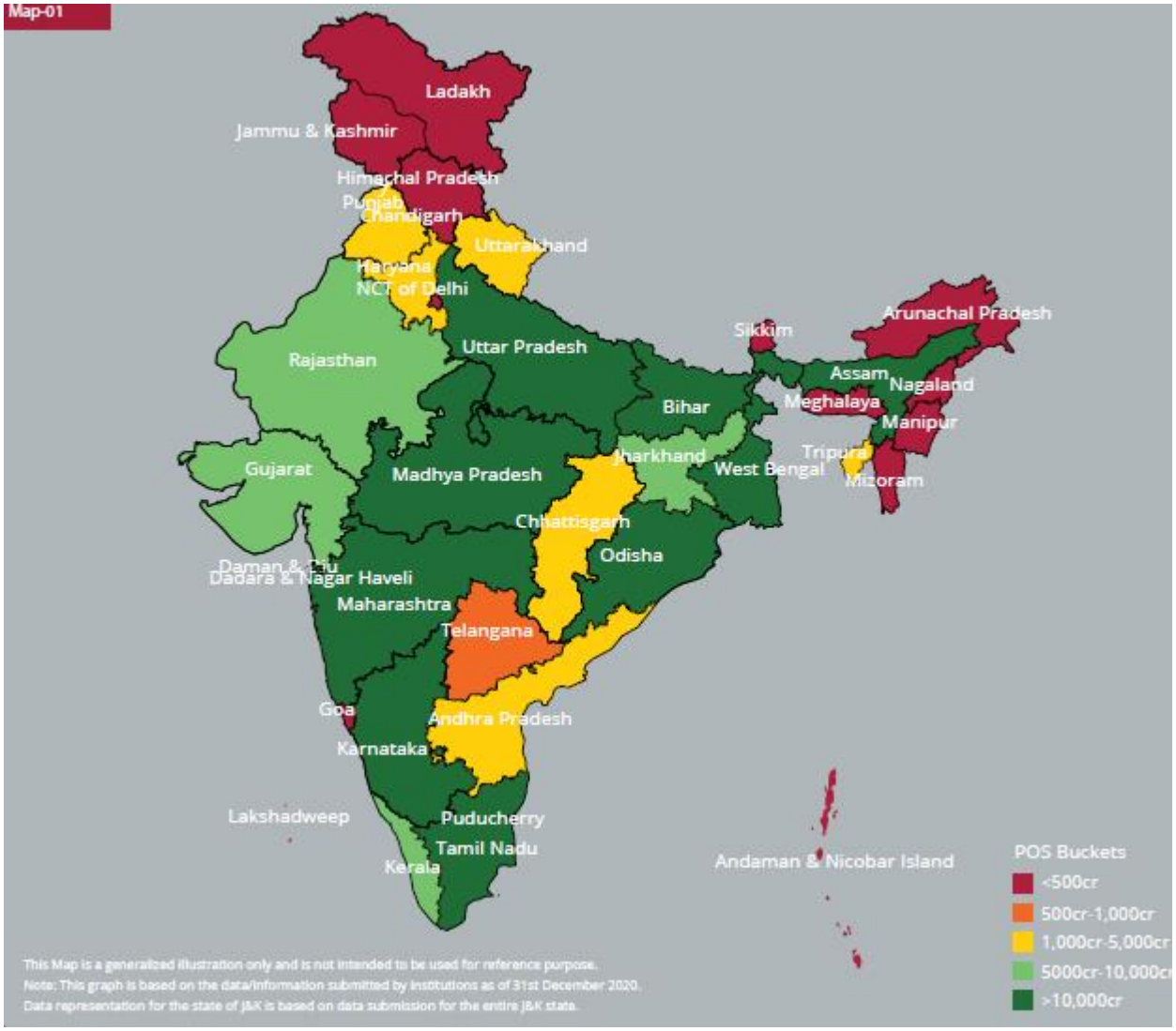

- दिसंबर 2020 तक संपूर्ण भारत में संबंधित बकाया संविभाग 228,818 करोड़ रुपये का है
- संपूर्ण भारत के इस संविभाग में शीर्ष 5 राज्यों का योगदान (पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र) 55% है
- अधिकांश भारतीय राज्यों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के पीओएस के ऋण-जोखिम मौजूद हैं।
- कुल बकाया संविभाग में पश्चिम बंगाल सबसे अधिक 15% का योगदान कर रहा है

राज्य/ संघ क्षेत्र-वार बकाया संविभाग – यथा 31 दिसंबर, 2020

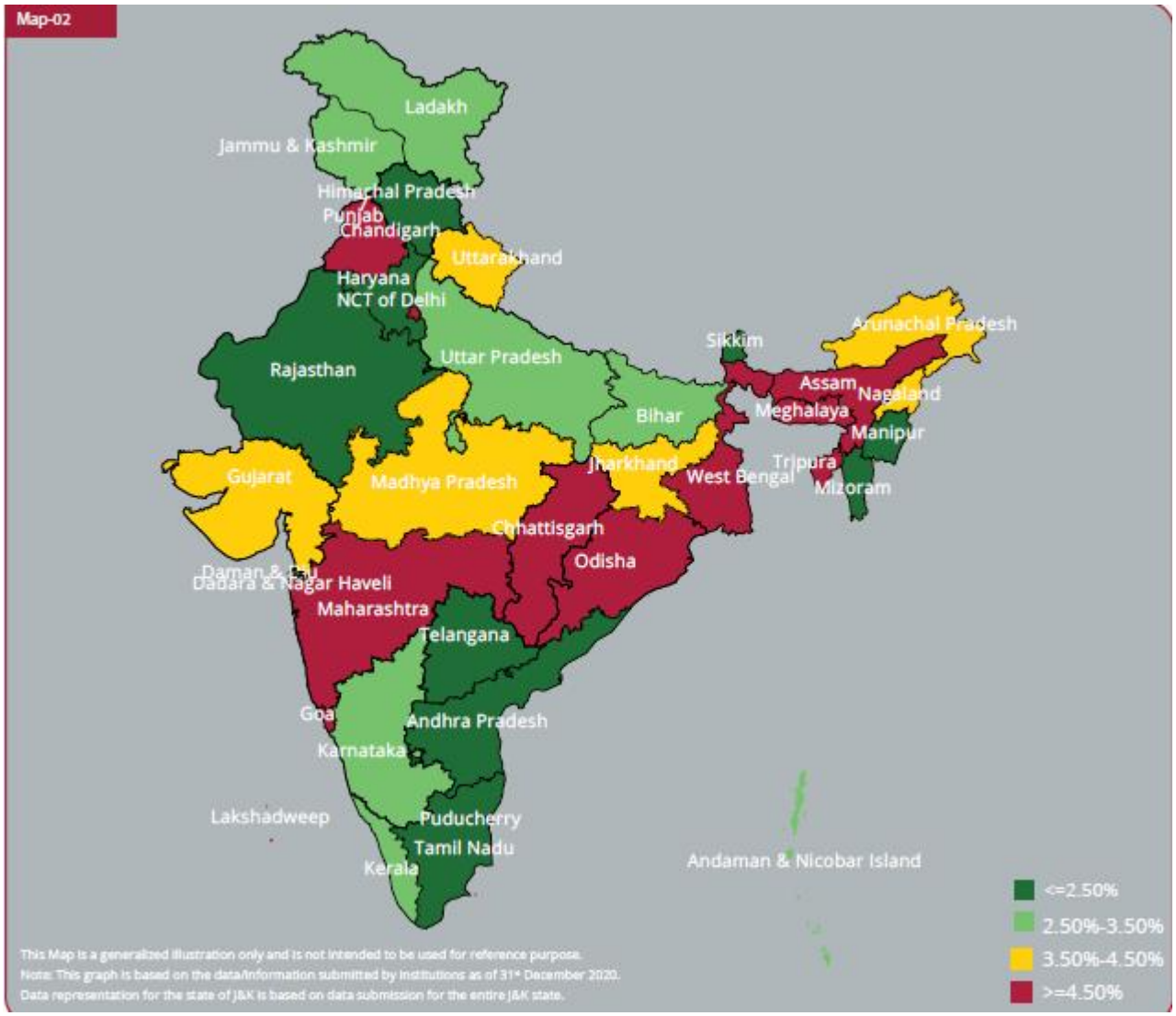

- दिसंबर 2020 तक संपूर्ण भारत में 90+ अपचार 4.96% है
- दिसंबर 2020 तक तमिलनाडु में शीर्ष 5 राज्यों में सबसे कम 90+ अपचार 2.36% है
- पश्चिम बंगाल का 90+ अपचार दिसंबर 2020 में 8.97% है शीर्ष 5 राज्यों में सबसे अधिक है ।

नोट: पीओएस के आधार पर अपचारिता की गणना ।

EQUIFAX®

sidbi

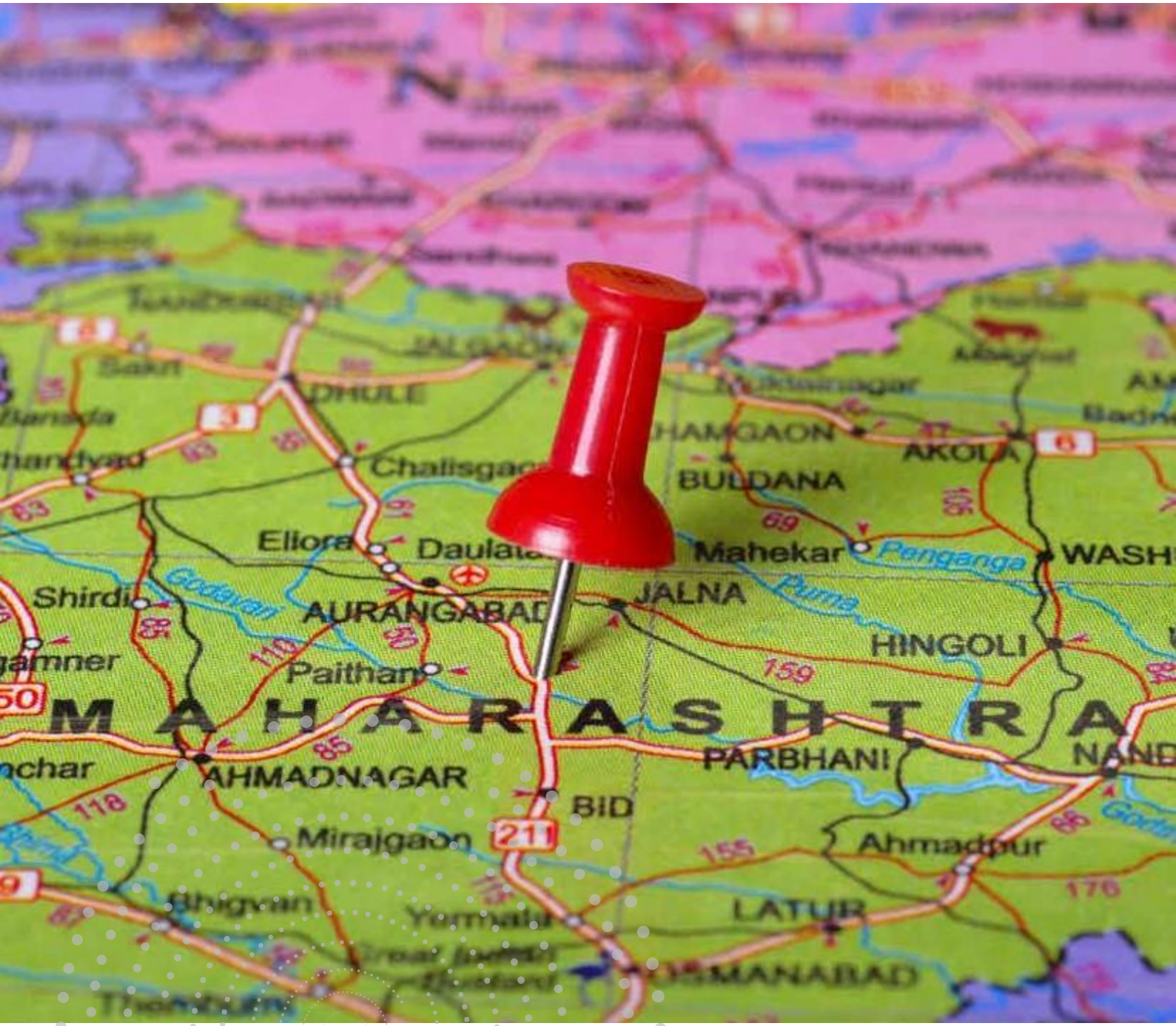

व्यापक राज्य रूपरेखा : महाराष्ट्र

महाराष्ट्र : राज्य एक दृष्टि में

सारणी -08

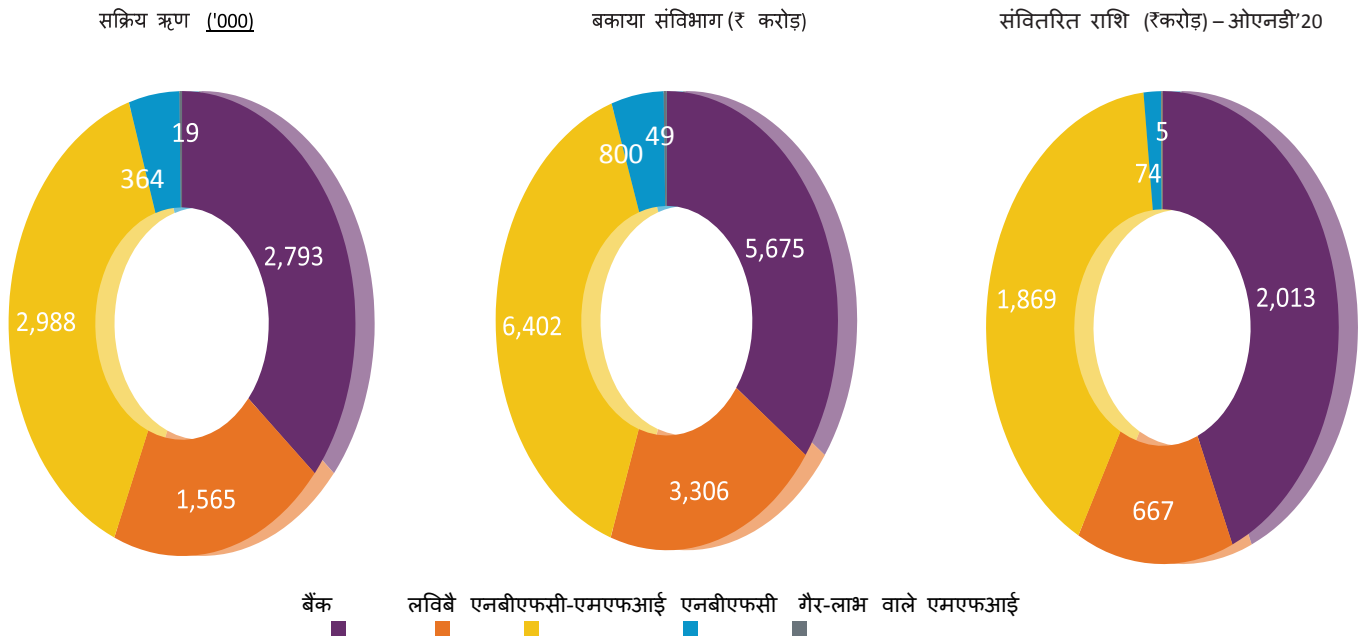

दिसंबर, 2020 को महाराष्ट्र की स्थिति	बैंक	लविबैं	एनबीएफसी एमएफआई	एनबीएसी	गैर-लाभ वाले एमएफ़आई	उद्योग
सक्रिय ऋण ('000)	2,793	1,565	2,988	364	19	7,729
बकाया संविभाग (₹ करोड़)	5,675	3,306	6,402	800	49	16,232
बकाया संविभाग में बाजार की हिस्सेदारी	35%	20%	39%	5%	1%	100%
संवितरित राशि (₹करोड़) – ओएनडी'20	2,013	667	1,869	74	5	4,628
औसत ऋण का आकार (₹) – ओएनडी'20	27,676	32,643	38,697	40,474	37,186	32,265
30+ अपचार (पीओएस)	16.30%	19.39%	17.54%	22.59%	43.41%	17.81%
90+ अपचार (पीओएस)	5.39%	10.59%	9.66%	2.85%	12.46%	8.03%

- 31 दिसम्बर 2020 तक महाराष्ट्र सक्रिय ऋण और बकाया संविभाग के मामले में भारत भर में एमएफआई संविभाग में 7% का अंशदान करता है।
- एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा बकाया संविभाग में 39% का योगदान
- महाराष्ट्र में अन्य कर्जदाताओं की तुलना में एनबीएफसी का एटीएस सबसे अधिक है
- एनबीएफसी ने महाराष्ट्र में अन्य उधारदाताओं की तुलना में 90+ अपचार की स्थिति को अच्छी तरह से सभाला है।

महाराष्ट्र: संवितरण प्रवृतियाँ

ऋणों की संख्या ('000)

टिकिट आकार	अ न दि'19	ज फ मा' 20	अ म जू' 20	जु अ सि' 20	अ न दि'20
0K-10K	106	74	6	31	258
10K-20K	154	135	75	145	143
20K-30K	495	486	13	130	315
30K-40K	478	486	14	130	235
40K-50K	187	223	6	95	165
50K-60K	132	154	6	62	151
60K Plus	69	89	5	51	167
कुल Total	1,621	1,647	125	644	1,434

सारणी -09

- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, सम्पूर्ण भारत के स्तर पर 3% वर्ष-दर-वर्ष विकास की तुलना में महाराष्ट्र में संवितरण की संख्या में 11.5% की गिरावट आई है
- अ न दि'**19** से अ न दि'**20** में **60** के प्लस वर्ग में वर्ष दर वर्ष 142% संवृद्धि दर्ज की है।

महाराष्ट्र: संविभाग प्रवृतियाँ

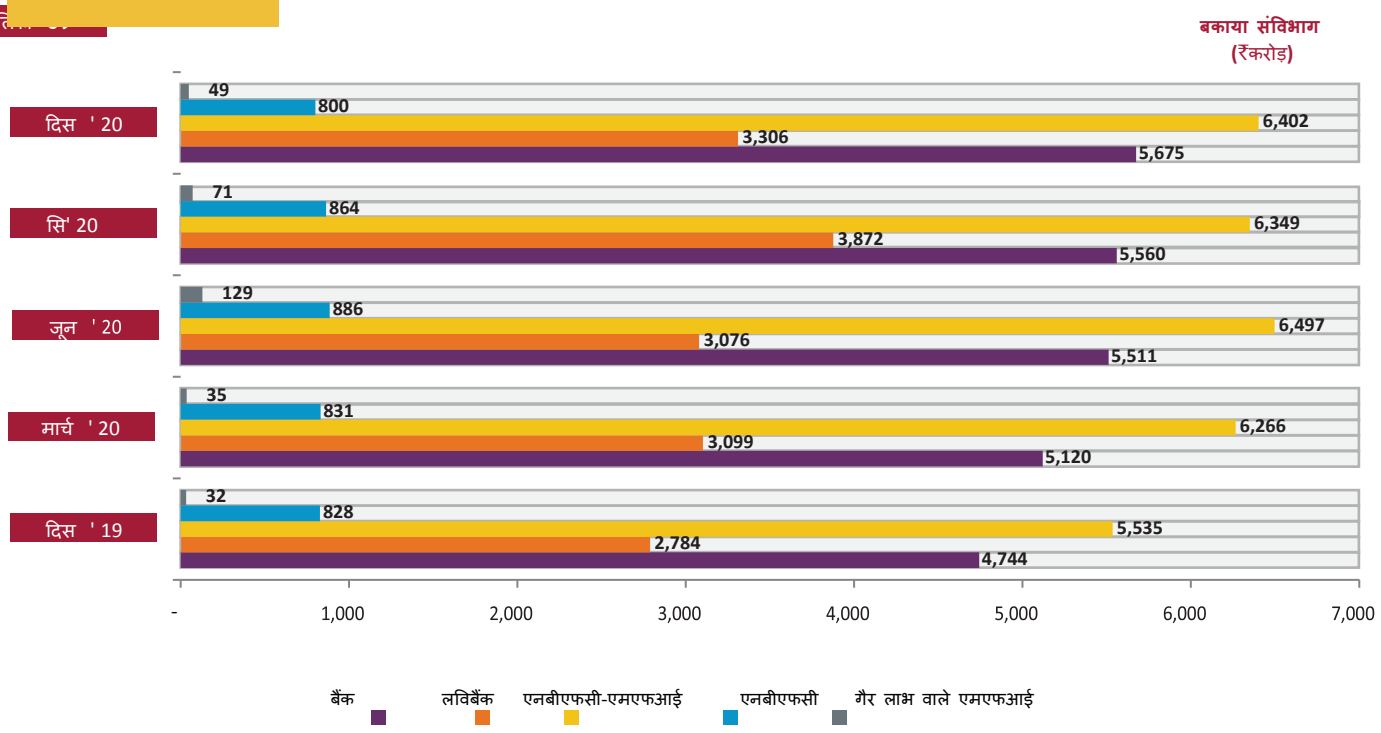

- दिसंबर 2019 से दिसंबर, 2020 तक महाराष्ट्र ने वर्ष दर वर्ष 17% की वृद्धि दर्ज किया है।
- बैंक कोविड अवधि से धीरे-धीरे उबर रहे हैं और सितंबर 2020 से दिसंबर 2020 तक 2% की वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन साथ ही साथ लघु वित्त बैंक ने इसी अवधि के दौरान 15% की नकारात्मक वृद्धि देखी
- एनबीएफसी-एमएफआई की बाजार हिस्सेदारी महाराष्ट्र में सभी तिमाहियों में सबसे अधिक है

महाराष्ट्र: 90+ अपचारिता प्रवृतियाँ

सारणी-10

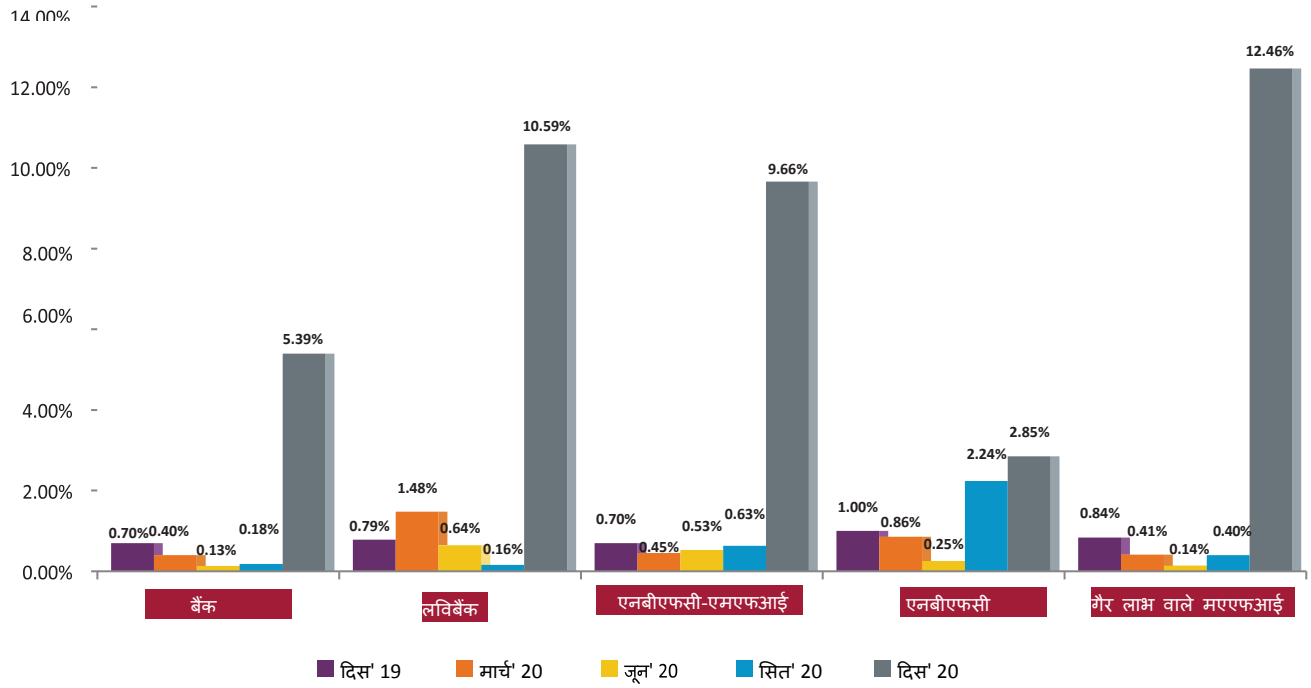

- अन्य तिमाहियों की तुलना में दिसंबर 2020 में सभी उधादाताओं के लिए 90 + अपचारिता उच्चतम है।
- ऐसी एमएफआई जो लाभ वाली नही हैं, ने दिसंबर, 2020 में 12.46% की उच्चत्तम अपचारिता दर्ज की है।

नोट: अपचारिता गणना पीओएस आधार पर

INDIA
New Delhi
Jodhpur
Jaipur
Agra
Bhopal
Kanpur
NEPAL
Kathmandu
Varanasi
Nagpur
Kolkata
(Calcutta)

आकांक्षी ज़िले

आकांक्षी ज़िले - दिसंबर 2020 परिदृश्य

सारिणी -11

संविभाग(₹करोड़)

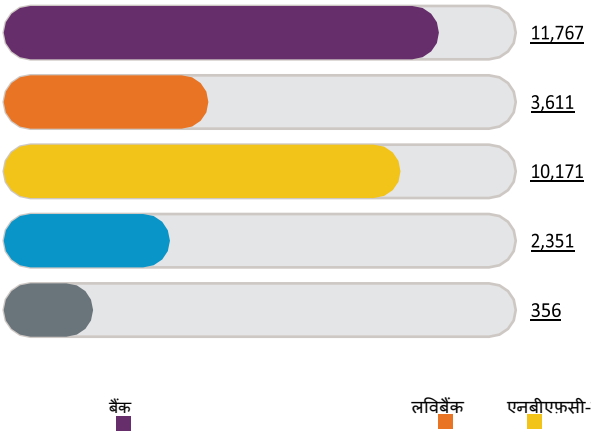

संवितरित राशि (₹करोड़)- जन'20 से दिस'20

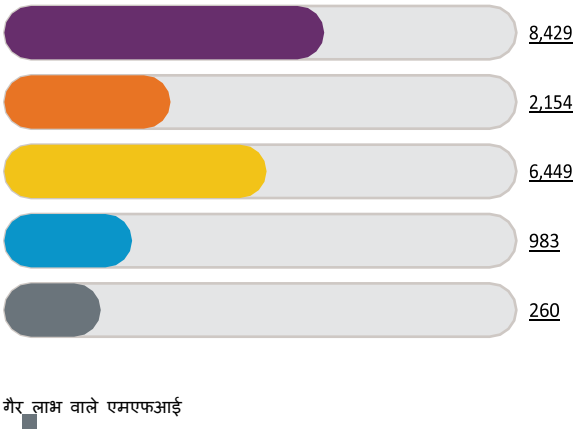

बैंक | लविबैंक | एनबीएफसी-एमएफआई | एनबीएफसी | गैर लाभ वाले एमएफआई

तालिका -12

30+ और 90+ पीओएस ऋणदाता श्रेणीवार अपचारिता

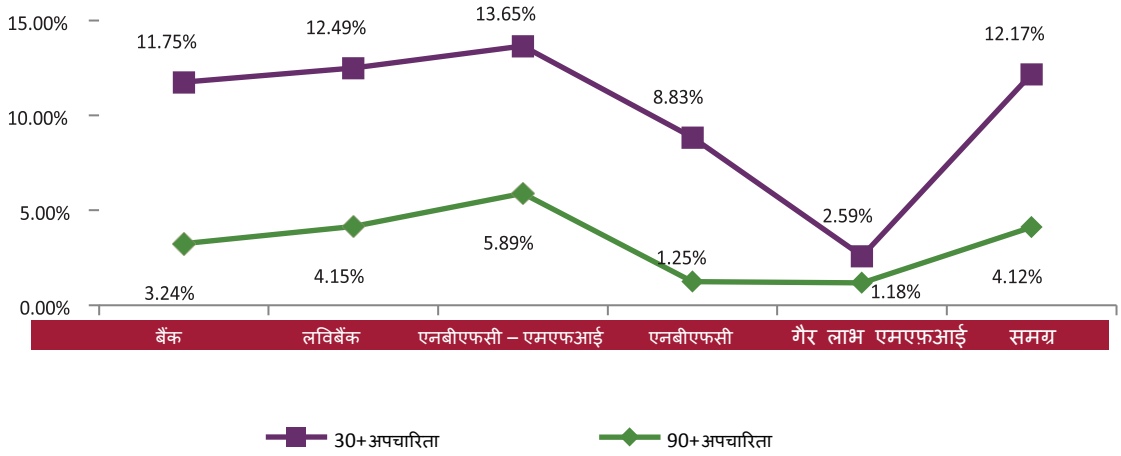

आकांक्षी ज़िले वृद्धि विवरण	दिसंबर 2017	दिसंबर 2020	वृद्धि %
सक्रिय ग्राहक पैठ ('000)	4,155	7,900	90%
संवितरण राशि(₹करोड़) (₹crore)	14,374 *	23,914 **	66%
सक्रिय ऋण ('000)	6,925	13,299	92%
बकाया संविभाग (₹करोड़) (₹crore)	11,175	28,256	153%
30+ अपचारिता	1.54%	12.17%	-
90+ अपचारिता	0.75%	4.12%	-

- आकांक्षी जिलों में बैंकों का 42% हिस्से के साथ कुल बकाया संविभाग ₹28,256 करोड़ रहा इस के बाद एनबीएफसी-एमएफआई का हिस्सा 36% रहा।
- सभी आकांक्षी जिलों में एनबीएफसी-एमएफआई का 90+ अपचारिता अधिकतम रहा।
- दिसंबर, 2017 से दिसंबर 2020 तक बकाया संविभाग में 153% की वृद्धि हुई और संवितरण राशि में 66% की वृद्धि दर्ज हुई ।

नोट: संवितरण जनवरी 2017 से दिसंबर 2017
** संवितरण जनवरी 2017 से दिसंबर 2017 अपचारिता पीओएस आधार पर परिगणित

EQUIFAX®

sidbi

असम विहंगालोकन

असम विहंगालोकन - यथा दिसंबर 2019 एवं दिसंबर 2020

सारणी -13

बकाया संविभाग एवं 90+ अपचारिता

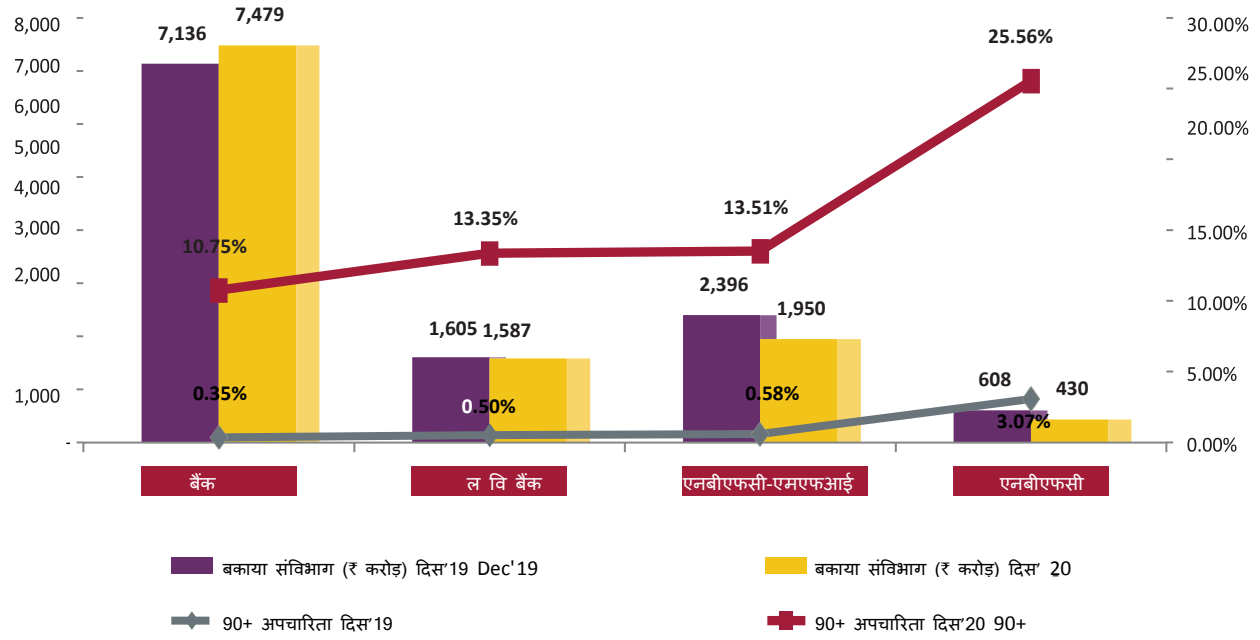

- बैंकों ने दिसंबर 2019 से दिसंबर 2020 तक में 5% वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज की
- दिसंबर 2019 और दिसंबर 2020 में असम के कुल बकाया संविभागो बैंकों का योगदान सबसे अधिक है
- दिसंबर 2019 की तुलना में दिसंबर 2020 में सभी ऋणदाताओं में 90+ अपचार बढ़े हैं।
- असम के दिसंबर 2020 तक 90+ अपचार पैन इंडिया 90+ अपचार से अधिक है

असम - स्रोत प्रवृतियाँ

सारिणी -14

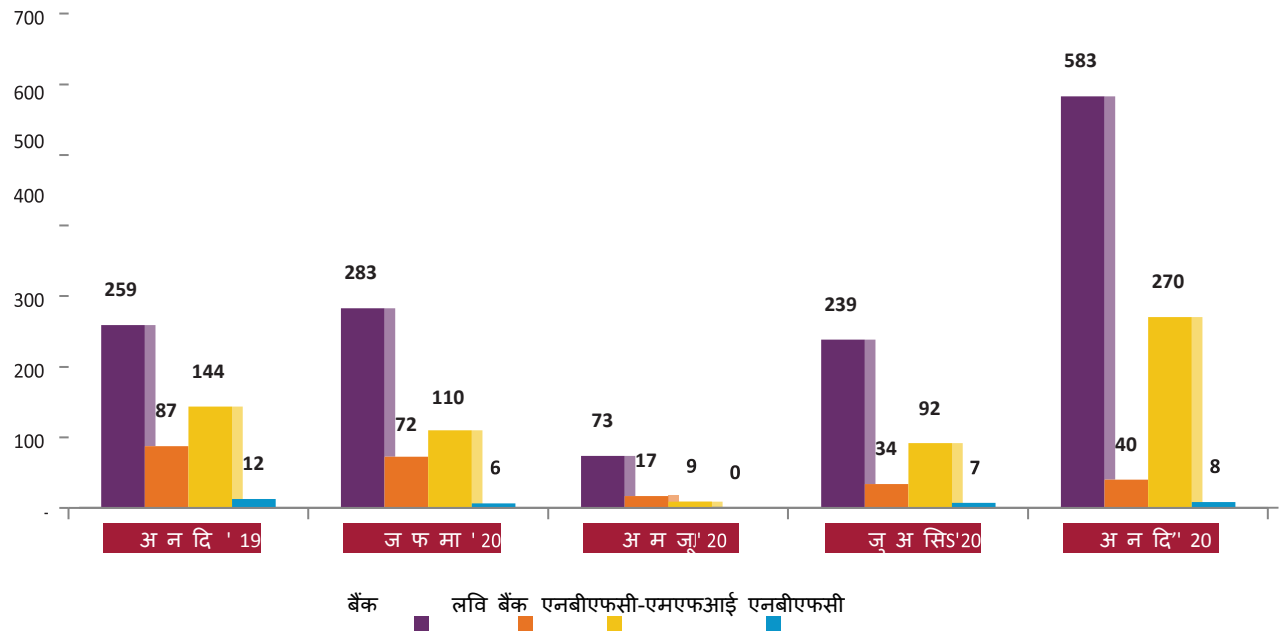

Average Ticket Size (in `)

उधारकर्ता स्वरूप	अ न दि '19	अ न दि ' 20	वर्ष दर वर्ष वृद्धि %
बैंक	62,034	31,368	-49%
एस एफ बी	39,932	40,898	2%
एनबीएएफसी- एमएफआई	30,734	25,975	-15%
एनबीएएफसी	32,989	40,733	23%
असम का समग्र एटीएस	48,524	30,259	-38%

तालिका -11

- ओएनडी '19 से ओएनडी ' 20 तक कुल ऋण के कुल स्रोतों में 79% की वृद्धि हुई
- असम का कुल एटीएस ओएनडी '19 में `₹48,524 से ओएनडी 19 में ₹30,259 से 38% तक गिरा

सिडबी के बारे में

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक संसद के एक अधिनियम के तहत वर्ष 1990 में स्थापित किया गया है। सिडबी को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई क्षेत्र) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तीन कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य करने और समान गतिविधियों में संलग्न विभिन्न संस्थानों के कार्यों का समन्वय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। इन वर्षों में, अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न स्तरों के लोगों के जीवन को निकट से प्रभावित किया है, पूरे एमएसएमई वर्णक्रम के उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र के कई विश्वसनीय संस्थाओं के साथ सम्बद्धता रखा है।

विज़न 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई क्षेत्र में सूचना विषमता से निपटने और संरचनात्मक पहलों की अगुआई करते हुए माइक्रोफाइनेंस पल्स के अलावा विभिन्न ज्ञान उत्पादों को प्रकाशित किया जैसे कि “एमएसएमई पल्स” जो एमएसएमई के स्वास्थ्य का ट्रैकर है, "फिनटेक पल्स" जो फिनटेक वित्तीयन घटक के ऋण आंकड़ों पर अंतर्दृष्टि देती है, "क्रिसिडेक्स" जो एमएसई के सेंटिमेंट और आकांक्षाओं का मापन करता है और "उद्योग स्पॉटलाइट" एमएसएमई पर केंद्रित है व प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों / समूहों पर एक व्यापक रिपोर्ट है।

अल्पवित्त क्षेत्र में सिडबी

सिडबी ने अल्पवित्त आंदोलन का समर्थन करके समावेशी वित्त के ध्येय को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। अल्पवित्त के तहत, बैंक ने यथा मार्च 2020 तक 100 से अधिक एमएफआई को संचयी रूप से ₹19,871 करोड़ के ऋण मंजूर किए हैं। अल्पवित्त इकाइयों को ऋण और ईक्विटी समर्थन के साथ इन संस्थाओं की क्षमता निर्माण समर्थन और अनुपालन मूल्यांकन के साधन आदि के द्वारा समर्थन से नैगम अभिशासन की संस्कृति को सुव्यस्थित रूप से सुग्राही बनाते हुए पूरक का कार्य कर रहा है। अल्पवित्त उद्योग के कमजोर शुरुआत से पूर्ण उद्योग समूह तक पहुंचाने के लिए हैंडहोल्डिंग के अलावा, हमारी 8 सहयोगी अल्पवित्त संस्थाएं स्माल वित्त बैंक / युनिवर्सल बैंक में परिवर्तित हो गई हैं। अल्पवित्त ऋण प्रदायगी के तहत परंपरा से हटकर सिडबी की एक पहल यह है कि बाजार दरों से काफी कम ब्याज दरों पर (साझेदारी व्यवस्था के माध्यम से) से छोटे ऋण सीधे उपलब्ध कराना है। बैंक द्वारा साझेदारी मॉडल के तहत प्रयास नामक इस पहल के तहत, बाजार दरों की तुलना में कम ब्याज दरों पर पिरामिड के सबसे निचले स्तर के सूक्ष्म उधारकर्ताओं को ₹0.50 लाख से ₹5 लाख के छोटे राशि के ऋणों का साझेदारी माडल के मध्यम से दिया जा रहा है।

इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करता है।

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ और अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह EFX चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) से करता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में परिचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की सख्या बैंकों, एनबीफसी, एमएफ आई और बीमाकर्ताओं सहित 4000+ सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और चुकौती संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने पदछाप को पुन: बढ़ाया है । भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो व्यापार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।

अस्वीकरण

माइक्रोफाइनेंस पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट प्राप्त कर और उपयोग करके, उपयोगकर्ता स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट यथा दिसम्बर 2020 तक की अवधि के लिए इक्विफैक्स के सदस्य अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता है, परंतु अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए सूचना की उपयुक्तता पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी प्रवेश या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों को अस्वीकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति/ इकाई के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी परामर्श नहीं करती है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी (विनियमवाली), 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत अभिशासित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

संपर्क विवरण : CONTACT DETAILS

इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,
इकाई संख्या 931, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर 9,
सोलेटेयर कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी घाटकोपर लिंक रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400093
टोल फ्री नं .: 1800 2093247
ecissupport@equifax.com

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
स्वावलंबन भवन, प्लॉट सं. सी -11, 'जी' ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई - 400051 महाराष्ट्र
टोल फ्री नं .: 1800 226753 www.sidbi.in/en

Copyright © 2021, Equifax Inc., Atlanta, Georgia. All rights reserved. Equifax is a registered trademarks of Equifax Inc.